



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय ने मनाया अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भी अनुवादकों की आवश्यकता : प्रो. जी. गोपीनाथन

वर्धा, 01 अक्टूबर 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति सुप्रसिद्ध अनुवादविद् प्रोफेसर जी. गोपीनाथन ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भी अनुवादकों की अत्यंत आवश्यकता है। अच्छे अनुवादकों के लिए रोजगार भी बड़ी संख्या में



उपलब्ध हो रहे हैं। प्रोफेसर गोपीनाथन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अनुवाद अध्ययन विभाग, अनुवाद एवं निर्वाचन विद्यापीठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और अनुवाद विद्या की प्रतिष्ठा' विषय पर आयोजित परिसंवाद में बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। परिसंवाद में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली के अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ के निदेशक प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद पांडेय तथा सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विजय कुमार रोड़े विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

महादेवी वर्मा सभागार में 30 अक्टूबर को आयोजित परिसंवाद में प्रो. गोपीनाथन ने कहा कि अनुवाद में नवाचारी तकनीक आवश्यक है। हमें अनुवाद अध्ययन केंद्र स्थापित कर शिक्षकों और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना चाहिए। वर्तमान युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भले ही चुनौती है परंतु हमें अच्छे अनुवादक की अभी भी आवश्यकता है।

प्रो. राजेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि अनुवाद करते समय उसकी सैद्धांतिकी और पारिस्थितिकी का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यूपीएससी और यूपीसी की परीक्षाओं में अनुवाद विषय को शामिल किया जाना चाहिए। प्रो. विजय कुमार रोड़े ने कहा कि अंग्रेजी के हावी होने के कारण अन्य भाषाओं में रोजगार की कमी दिख रही है। भाषा, बोली और संस्कृति के संरक्षण के लिए अनुवाद की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का स्वागत एवं विषय परिवर्तन अनुवाद एवं निर्वाचन विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रोफेसर हनुमान प्रसाद शुक्ल ने किया। उन्होंने कहा कि अनुवाद में स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाने वाला महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए राष्ट्रीय व राज्य सेवाओं की परीक्षाओं में अनुवाद विषय को मान्यता मिलनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन, संयोजक डॉ. मीरा निचळे ने किया तथा अनुवाद अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. श्रीनिकेत कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अध्यापक शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305